१. दो बैलों की कथा

(क) नीचे दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प का चयन कीजिएै।

1. 'दो बैलों की कथा' के लेखक का नाम क्या है?
   (i) महादेवी वर्मा ☐ (iii) राहुल सांकृत्यायन ☐
   (ii) मुंशी प्रेमचंद ☐ (iv) जाबिर हुसैन ☐
2. हीरा और मोती किसके बैल थे?
   (i) गया ☐ (iii) हल्कू ☐
   (ii) रामू ☐ (iv) झूरी ☐
3. बैलों ने अपनी बेड़ियाँ कैसे तोड़ीं?
   (i) सींगों से ☐ (iii) पैरों से ☐
   (ii) दाँतों से ☐ (iv) रस्सी से ☐
4. 'दीवार गिरना' किसका संकेत है?
   (i) मृत्यु ☐ (iii) गुलामी से मुक्ति ☐
   (ii) सहनशक्ति टूटने का ☐ (iv) त्याग ☐
5. झूरी की पत्नी बैलों को क्या कहती थी?
   (i) कोल्हू का बैल ☐ (iii) मूर्ख ☐
   (ii) नमकहराम ☐ (iv) गधा ☐
6. 'बछिया का ताऊ' का अर्थ है—
   (i) बड़ा भाई ☐ (iii) बैल ☐
   (ii) गधा ☐ (iv) मूर्ख व्यक्ति ☐
7. पहली बार बैल कहाँ भागकर गए?
   (i) झूरी के घर ☐ (iii) खेत ☐
   (ii) काँजीहौस ☐ (iv) गाँव ☐
8. हीरा और मोती किस जाति के थे?
   (i) जर्सी ☐ (iii) अफगानी ☐
   (ii) पछाहीं ☐ (iv) कोई नहीं ☐

9. काँजीहौस की दीवार किसने तोड़ी?

(i) मोती	☐	(iii) दोनों	☐
(ii) हीरा	☐	(iv) चौकीदार	☐

10. लड़की बैलों को क्या खिलाती थी?

(i) सब्ज़ी	☐	(iii) रोटी	☐
(ii) चावल	☐	(iv) कुछ नहीं	☐

(ख) रिक्त स्थानों की पूर्ति के लिए सहायता बॉक्स से सही शब्द चुनिए।

[दढ़ियल, सद्गुणों, साँड़, काँजीहौस, लड़की, विषाद]

1. गधे का छोटा भाई ________ कहलाता है।
2. गधे के चेहरे पर एक स्थायी ________ हमेशा छाया रहता है।
3. मनुष्य गधे के ________ का अनादर करता है।
4. रास्ते में अचानक दोनों मित्रों का सामना एक खूँखार और भारी-भरकम ________ से हुआ।
5. बैलों को ________ में बंद किया गया।
6. मवेशीखाने से नीलाम होने के बाद दोनों बैलों को एक ________ कसाई अपने साथ ले जा रहा था।

(ग) खंड 'अ' के शब्दों का खंड 'ब' से सही मिलान कीजिए।

खंड 'अ' (शब्द)	खंड 'ब' (अर्थ)	उत्तर:
1. नाँद	i. पशुओं के बाँधे जाने की जगह।	1. ____
2. चरनी	ii. खेत की सीमा या उसके चारों ओर बनाया हुआ मिट्टी का घेरा।	2. ____
3. गराँव	iii. चमड़े से मढ़ा चौड़े मुँह का छोटा बाजा।	3. ____
4. थान	iv. मिट्टी का एक बड़ा और चौड़ा बर्तन जिसमें पशुओं को चारा-पानी दिया जाता है।	4. ____
5. मेंड़	v. फंदेदार रस्सी जो बैल आदि के गले में पहनाई जाती है।	5. ____
6. डुग्गी	vi. मेंड़दार लंबा चबूतरा या चारा देने के लिए गाड़ी हुई नाँद।	6. ____

(घ) प्रत्येक कथन के सामने 'सत्य' या 'असत्य' लिखिए।

1. जानवरों में गधे को सबसे ज्यादा बुद्धिमान समझा जाता है। ☐
2. गया बैलों को अच्छा चारा देता था। ☐
3. जब गया बैलों को पकड़ने भागा, तो लड़की ने शोर मचाया कि फूफावाले बैल भागे जा रहे हैं। ☐

4. काँजीहौस की दीवार टूटने पर भी बाड़े में बंद दोनों गधे डर के मारे वहीं खड़े रहे। ☐
5. एक सप्ताह तक काँजीहौस में बंद रहने के कारण दोनों बैल बहुत कमजोर हो गए थे। ☐
6. अंत में दढ़ियल कसाई बैलों को जबरदस्ती अपने साथ डंडे के बल पर अपने घर ले गया। ☐

(ङ) निम्नलिखित लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. ऋषि-मुनियों तथा गधे में क्या समानता देखी गई है?

   उत्तर: ____

   ____

2. गधे को बुद्धिहीन क्यों माना जाता है?

   उत्तर: ____

   ____

3. बैल को गधे का छोटा भाई क्यों कहा गया है?

   उत्तर: ____

   ____

4. भारतवासियों को अमेरिका में क्यों घुसने नहीं दिया जाता है?

   उत्तर: ____

   ____

5. हीरा और मोती आपस में किस प्रकार बात करते थे तथा उनमें कौन-सी विशेष शक्ति थी?

   उत्तर: ____

   ____

6. सच्ची मित्रता के कौन-से लक्षण इस कहानी में दिखाई देते हैं?

   उत्तर: ____

   ____

7. लेखक प्रेमचंद ने सरकारी नौकरी क्यों छोड़ी?

   उत्तर: ____

   ____

8. गया बैलों के साथ कैसा व्यवहार करता था?

   उत्तर: ____

   ____

9. काँजीहौस (काँजीहाउस) क्या होता है?

   उत्तर: ____

   ____

10. कहानी का मुख्य संदेश क्या है?

   उत्तर: ____

   ____

(च) निम्नलिखित दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए।

1. हीरा और मोती की सच्ची मित्रता का वर्णन कीजिए।

   उत्तर: ____

   ____

   ____

   ____

   ____

2. झूरी के ससुराल से लौटने पर उसने बैलों के साथ कैसा व्यवहार किया?

   उत्तर: ____

   ____

   ____

   ____

   ____

3. दोनों बैल कसाई की कैद से कैसे मुक्त हुए?

   उत्तर: ____

   ____

   ____

   ____

   ____

4. हीरा और मोती के चरित्र का वर्णन कीजिए।

   उत्तर: ____

   ____

____

____

____

5. कहानी में स्वतंत्रता की भावना कैसे व्यक्त हुई है?

   उत्तर: ____

   ____

   ____

   ____

   ____

6. कहानी में पशु-मानव संबंध का वर्णन कीजिए।

   उत्तर: ____

   ____

   ____

   ____

   ____

(छ) निम्नलिखित कथन 'किसने, किससे कहे' पहचानिए।

1. "बस, तुम्हीं तो बैलों को खिलाना जानते हो और तो सभी पानी पिला-पिलाकर रखते हैं।"

   किसने कहा: ____________________ किससे कहा: ____________________

2. "चुराकर डाल आ।"

   किसने कहा: ____________________ किससे कहा: ____________________

3. "अबकी बड़ी मार पड़ेगी।"

   किसने कहा: ____________________ किससे कहा: ____________________

4. "खोले देती हूँ। चुपके से भाग जाओ, नहीं तो यहाँ लोग तुम्हें मार डालेंगे।"

   किसने कहा: ____________________ किससे कहा: ____________________

5. "तो फिर यहीं मरो। बंदा तो नौ-दो-ग्यारह होता है।"

   किसने कहा: ____________________ किससे कहा: ____________________

6. "तुम्हारे बैल कैसे? मैं मवेशीखाने से नीलाम लिए आता हूँ।"

   किसने कहा: ____________________ किससे कहा: ____________________

Free worksheets, NCERT Solutions, Learning material & more at www.onepointlearning.com

(ज) निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची (समानार्थक) शब्द लिखिए।

1. बैल - ________ ________
2. घर - ________ ________
3. शत्रु - ________ ________
4. गुस्सा - ________ ________
5. आजादी - ________ ________
6. आँख - ________ ________

(झ) निम्नलिखित शब्दों के विपरीतार्थक (विलोम) शब्द लिखिए।

1. संतोष X ________
2. सभ्य X ________
3. सद्गुण X ________
4. विवाद X ________
5. स्वार्थी X ________
6. विद्रोह X ________

(ञ) नीचे दिए गए मुहावरों के अर्थ लिखकर उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

1. आपे से बाहर होना

   अर्थ - ________________________________

   वाक्य - ____

2. जी तोड़कर काम करना

   अर्थ - ________________________________

   वाक्य - ____

3. हिम्मत हारना

   अर्थ - ________________________________

   वाक्य - ____

4. टकटकी लगाना

   अर्थ - ________________________________

   वाक्य - ____

5. जान हथेलियों पर लेना

   अर्थ - ________________________________

   वाक्य - ____

6. दिल भारी होना

   अर्थ - ________________________________

   वाक्य - ____

Free worksheets, NCERT Solutions, Learning material & more at www.onepointlearning.com

(ट) निम्नलिखित शब्दों का सार्थक वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

1. सहिष्णुता - ____________________
2. विषाद - ____________________
3. विग्रह - ____________________
4. मूक-भाषा - ____________________
5. अनाथ - ____________________
6. संगठित - ____________________

(ठ) नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

"संयोग की बात, झूरी ने एक बार गोईं को ससुराल भेज दिया। बैलों को क्या मालूम, वे क्यों भेजे जा रहे हैं। समझे, मालिक ने हमें बेच दिया। अपना यों बेचा जाना उन्हें अच्छा लगा या बुरा, कौन जाने, पर झूरी के साले गया को घर तक गोईं ले जाने में दाँतों पसीना आ गया। पीछे से हाँकता तो दोनों दाएँ-बाएँ भागते; पगहिया पकड़कर आगे से खींचता, तो दोनों पीछे को जोर लगाते। मारता तो दोनों सींग नीचे करके हुँकारते। अगर ईश्वर ने उन्हें वाणी दी होती तो झूरी से पूछते— तुम हम गरीबों को क्यों निकाल रहे हो? हमने तो तुम्हारी सेवा करने में कोई कसर नहीं उठा रखी। अगर इतनी मेहनत से काम न चलता था तो और काम ले लेते। हमें तो तुम्हारी चाकरी में मर जाना कबूल था। हमने कभी दाने-चारे की शिकायत नहीं की। तुमने जो कुछ खिलाया, वह सिर झुकाकर खा लिया, फिर तुमने हमें इस जालिम के हाथ क्यों बेच दिया?

संध्या समय दोनों बैल अपने नए स्थान पर पहुँचे। दिन-भर के भूखे थे, लेकिन जब नाँद में लगाए गए, तो एक ने भी उसमें मुँह न डाला। दिल भारी हो रहा था। जिसे उन्होंने अपना घर समझ रखा था, वह आज उनसे छूट गया था। यह नया घर, नया गाँव, नए आदमी, सब उन्हें बेगानो-से लगते थे।"

- गद्यांश के आधार पर नीचे दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प का चयन कीजिए:

1. 'गोईं' शब्द का इस गद्यांश के संदर्भ में क्या अर्थ है?

   (i) गायों का समूह ☐

   (ii) बैलों की जोड़ी ☐

   (iii) रस्सी का फंदा ☐

   (iv) साले का घर ☐

2. झूरी के साले गया को बैलों को घर ले जाने में 'दाँतों पसीना क्यों आ गया'?

   (i) क्योंकि रास्ता बहुत लंबा और पथरीला था। ☐

   (ii) क्योंकि बैल आगे बढ़ने के बजाय दाएँ-बाएँ भाग रहे थे और पीछे जोर लगा रहे थे। ☐

   (iii) क्योंकि बहुत तेज धूप और गर्मी थी। ☐

   (iv) क्योंकि कसाई उनका रास्ता रोक कर खड़ा था। ☐

3. गया के घर पहुँचकर बैलों ने नाँद में मुँह क्यों नहीं डाला?

(i) क्योंकि चारा स्वादिष्ट और रसीला नहीं था। ☐

(ii) क्योंकि वे दिन-भर कुछ खाकर आए थे। ☐

(iii) क्योंकि उनका दिल भारी था और नए स्थान पर वे खुद को बेगाना महसूस कर रहे थे। ☐

(iv) क्योंकि नाँद बहुत छोटी और गंदी थी। ☐

✷ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए:

1. स्थान परिवर्तन होने पर हीरा और मोती ने अपने मन में क्या धारणा बना ली थी?

उत्तर: ____

____

2. यदि बैलों के पास इंसानों जैसी 'वाणी' (आवाज) होती, तो वे झूरी से क्या शिकायत या सवाल करते?

उत्तर: ____

____

3. "दिल भारी होना" मुहावरे का अर्थ गद्यांश के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि बैलों के साथ ऐसा क्यों हो रहा था?

उत्तर: ____

____

Free worksheets, NCERT Solutions, Learning material & more at www.onepointlearning.com

Answer

(क) बहुविकल्पीय प्रश्न:

1. (ii) मुंशी प्रेमचंद
2. (ii) झूरी
3. (i) सींगों से
4. (iii) स्वतंत्रता
5. (ii) नमकहराम
6. (iv) मूर्ख व्यक्ति
7. (i) झूरी के घर
8. (ii) पछाहीं
9. (ii) हीरा
10. (iii) रोटी

(ख) रिक्त स्थान पूर्ति:

1. बैल
2. विषाद
3. सद्गुणों
4. साँड़
5. काँजीहौस
6. दढ़ियल

(ग) उचित मिलान:

1. नाँद → मिट्टी का बड़ा बर्तन जिसमें पशुओं को चारा-पानी दिया जाता है।
2. चरनी → मेंड़दार लंबा चबूतरा/चारा देने की नाँद।
3. गराँव → फंदेदार रस्सी जो पशुओं के गले में डाली जाती है।
4. थान → पशुओं को बाँधने की जगह।
5. मेंड़ → खेत की सीमा का मिट्टी का घेरा।
6. डुग्गी → चमड़े से मढ़ा छोटा बाजा।

(घ) सत्य / असत्य:

1. असत्य
2. असत्य
3. सत्य
4. सत्य
5. सत्य
6. सत्य

(ङ) लघु उत्तरीय प्रश्न:

1. दोनों का स्वभाव अत्यंत सरल, शांत और सहनशील होता है। वे सुख-दुख, लाभ-हानि हर परिस्थिति में हमेशा एक समान (अविचलित) रहते हैं।
2. गधे को बुद्धिहीन इसलिए माना जाता है क्योंकि वह अपने अत्यधिक सीधेपन के कारण किसी भी खराब परिस्थिति, मार या रूखे भोजन पर कोई प्रतिक्रिया या विरोध व्यक्त नहीं करता।
3. बैल में भी गधे की तरह सरलता और सहनशीलता होती है, इसलिए उसे छोटा भाई कहा गया है। परंतु वह गधे जितना सीधा नहीं होता; कभी-कभी अड़कर, मारकर या सींग चलाकर अपना विरोध और असंतोष प्रकट कर देता है।
4. भारतवासियों के अत्यधिक सीधे और शांत स्वभाव को कमजोरी मान लिया जाता है। वे ईंट का जवाब पत्थर से नहीं देते, इसलिए पश्चिम के लोग उन्हें सभ्य न मानकर यह आरोप लगाते हैं कि वे जीवन के स्तर को गिराते हैं।

Free worksheets, NCERT Solutions, Learning material & more at www.onepointlearning.com

5. वे बिना बोले हाव-भाव और सूंघने-चाटने की क्रिया से 'मूक-भाषा' में बात करते थे। उनमें एक-दूसरे के मन की बात और संवेदनाओं को बिना कहे समझ लेने की 'गुप्त आत्मिक शक्ति' थी।
6. संकट में एक-दूसरे का साथ न छोड़ना, आपस में गहरा प्रेम रखना, मिलकर समस्याओं का सामना करना, एक-दूसरे का काम का बोझ स्वयं उठाना और बिना स्वार्थ के त्याग करना सच्ची मित्रता के लक्षण हैं।
7. महात्मा गांधी द्वारा चलाए गए असहयोग आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लेने और देश के स्वतंत्रता संग्राम के प्रति समर्पित होने के लिए उन्होंने सरकारी नौकरी छोड़ दी थी।
8. गया बैलों के साथ बहुत ही क्रूर और निर्दयी व्यवहार करता था। वह उनसे दिन-भर जी तोड़ कठिन काम कराता, उन्हें डंडों से बेरहमी से पीटता और खाने को केवल सूखा भूसा देता था।
9. काँजीहौस वह सरकारी बाड़ा या पशु-जेल होती है जहाँ दूसरों के खेतों में चरने वाले लावारिस, नुकसान पहुँचाने वाले या अनाथ पशुओं को पकड़कर बंद किया जाता है और जुर्माना न देने पर उन्हें नीलाम किया जाता है।
10. कहानी का मुख्य संदेश यह है कि स्वतंत्रता सहज ही नहीं मिलती, उसके लिए निरंतर संघर्ष और विद्रोह करना पड़ता है। साथ ही यह एकता, वफादारी, मित्रता और मूक पशुओं के प्रति मानवीय संवेदना का संदेश देती है।

(च) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न:

1. हीरा और मोती की मित्रता निस्वार्थ और गहरी थी। हल में जोते जाने पर दोनों की यही कोशिश रहती थी कि गाड़ी का अधिक बोझ उनकी खुद की गर्दन पर रहे। मटर के खेत में जब मोती कीचड़ में फंसा, तो हीरा उसे अकेला छोड़कर भागा नहीं और खुद भी पकड़ा गया। इसी प्रकार काँजीहौस में हीरा के भारी रस्सियों से बंधे होने के कारण मोती दीवार टूटने पर भी भागने का अवसर छोड़कर अपने मित्र के पास ही रुका रहा।
2. जब बैल प्रताड़ना सहकर झूरी के घर वापस लौटे, तो झूरी उन्हें देखते ही स्नेह से व्याकुल हो उठा। उसने दौड़कर उन्हें गले से लगा लिया। प्रेमालिंगन और चुंबन का वह दृश्य अत्यंत हृदयस्पर्शी और भावुक था। झूरी ने उनकी वफादारी पर गर्व किया, उन्हें चूमकर अपना गहरा स्नेह दिया और उन्हें पुनः अपने परिवार के मुख्य आत्मीय सदस्य की तरह सम्मान दिया।
3. नीलामी के बाद जब दढ़ियल कसाई उन्हें ले जा रहा था, तो रास्ते में बैलों को अपना पुराना जाना-पहचाना मार्ग, कुआँ और खेत दिखाई दे गए। अपने परिचित गाँव को देखते ही उनकी सारी दुर्बलता और थकान गायब हो गई और वे तेजी से दौड़कर सीधे झूरी के थान पर आ गए। जब कसाई ने आकर जबरदस्ती उनकी रस्सियाँ पकड़नी चाहीं, तो मोती ने उस पर सींग चलाकर उसे गाँव के बाहर तक खदेड़ दिया, जिससे वे कसाई से मुक्त हो गए।
4. हीरा स्वभाव से शांत, गंभीर, सहनशील और नीतिवादी था; वह संकट में भी धीरज रखता था और स्त्री जाति पर सींग न चलाने जैसी स्थापित सामाजिक मर्यादाओं का पालन करता था। इसके विपरीत, मोती थोड़ा उग्र, विद्रोही, साहसी और उत्साही स्वभाव का था जो अत्याचार के खिलाफ तुरंत पलटवार करने में विश्वास रखता था। दोनों के स्वभाव अलग होते हुए भी वे एक-दूसरे के सच्चे पूरक और रक्षक थे।
5. हीरा और मोती किसी भी प्रकार का बंधन या पराधीनता स्वीकार नहीं कर पाते। वे गया के घर की रस्सियाँ तोड़ते हैं, काँजीहौस की दीवार गिराकर अन्य जानवरों को आज़ाद करते हैं और कसाई का सामना करते हैं। वे भूखे रहकर

और डंडे खाकर भी हार नहीं मानते। यह संघर्ष दिखाता है कि आज़ादी हर जीव का नैसर्गिक अधिकार है और इसे पाने के लिए निरंतर कड़ा संघर्ष और त्याग करना अनिवार्य है।

6. कहानी में मानव-पशु संबंध के दो रूप दिखते हैं। झूरी और भैरो की छोटी लड़की का पशुओं के प्रति निश्छल प्रेम और आत्मीयता है, जिसे बैल बिना बोले पूरी गहराई से समझते हैं और उनके लिए अपनी जान दांव पर लगा देते हैं। दूसरी तरफ गया और कसाई जैसे क्रूर पात्र हैं जो पशुओं को केवल काम की वस्तु समझते हैं। यह स्पष्ट करता है कि मूक पशु केवल प्रेम और करुणा की भाषा के भूखे होते हैं।

(छ) किसने, किससे कहा

1. झूरी की पत्नी → झूरी से
2. लड़की → स्वयं/बैलों से
3. मोती → हीरा से
4. लड़की → बैलों से
5. हीरा → मोती से
6. दढ़ियल → झूरी से

(ज) पर्यायवाची

1. बैल – वृषभ, ऋषभ
2. घर – गृह, आवास
3. शत्रु – दुश्मन, रिपु
4. गुस्सा – कोप, रोष
5. आजादी – स्वतंत्रता, मुक्ति
6. आँख – नयन, नेत्र

(झ) विलोम

1. संतोष × असंतोष
2. सभ्य × असभ्य
3. सद्गुण × दुर्गुण
4. विवाद × समर्थन
5. स्वार्थी × परार्थी
6. विद्रोह × समर्पण

(ञ) मुहावरे — अर्थ और वाक्य प्रयोग — उत्तर

1. आपे से बाहर होना

   अर्थ: अत्यधिक क्रोधित हो जाना

   वाक्य: गया द्वारा सूखा भूसा दिए जाने और डंडे मारे जाने पर मोती आपे से बाहर हो गया।

2. जी तोड़कर काम करना

   अर्थ: पूरी मेहनत से काम करना

   वाक्य: हीरा और मोती खेत में हमेशा जी तोड़कर काम करते थे।

3. हिम्मत हारना

   अर्थ: साहस छोड़ देना

   वाक्य: काँजीहौस के भारी बंधनों में भी दोनों बैलों ने हिम्मत नहीं हारी।

4. टकटकी लगाना

   अर्थ: लगातार एकटक देखना

   वाक्य: झूरी रोज़ शाम को अपने बैलों की राह में टकटकी लगाए खड़ा रहता था।

5. जान हथेलियों पर लेना

   अर्थ: जान की परवाह न करना / भारी जोखिम उठाना

   वाक्य: दोनों साहसी बैलों ने अपनी आज़ादी के लिए अपनी जान हथेलियों पर ले ली थी।

6. दिल भारी होना

   अर्थ: अत्यधिक दुखी या उदास होना

   वाक्य: अपने प्यारे मालिक झूरी के घर से दूर जाते समय बैलों का दिल भारी हो रहा था।

(ट) वाक्य

1. सहिष्णुता – हमें सहिष्णुता अपनानी चाहिए।
2. विषाद – उसके चेहरे पर विषाद था।
3. विग्रह – दोनों में कोई विग्रह नहीं था।
4. मूक-भाषा – जानवर मूक-भाषा समझते हैं।
5. अनाथ – वह बच्चा अनाथ हो गया।
6. संगठित – हमें संगठित होकर काम करना चाहिए।

(ठ) गद्यांश

बहुविकल्पीय प्रश्न:

1. (ii) बैलों की जोड़ी
2. (ii) बैल विरोध कर रहे थे
3. (iii) वे दुखी थे

लघु उत्तर:

1. स्थान परिवर्तन का असली कारण न पता होने के कारण उन्होंने अपने मन में यह पक्की धारणा बना ली थी कि उनके मालिक झूरी ने उन्हें रूठकर किसी और के हाथों बेच दिया है।
2. वे झूरी से पूछते कि हमारी जी तोड़ सेवा और वफादारी में क्या कसर रह गई थी जो तुमने हमें इस जालिम गया के हवाले कर दिया? हमारी गलती थी तो हमसे और कठिन काम ले लेते, हम तुम्हारी चाकरी में ही मर जाते।
3. "दिल भारी होना" का अर्थ अत्यधिक दुखी और उदास होना है। बैल अपने स्नेहपूर्ण पुराने घर और मालिक से बिछड़कर अचानक बिल्कुल अनजाने लोगों, नए गाँव और बेगाने माहौल में आ गए थे, इसी अकेलेपन और वियोग के दुख से उनका मन उदास था।